PSOs of MA English:

- **PSO (1)-** Students will be able to understand and evaluate the literature of early 17th century and Restoration period. They will be able to develop their knowledge about famous poets like William Shakespeare, John Donne, Geoffrey Chaucer, John Milton, Francis Bacon etc. and can critically analyze their work.
- **PSO (2)-** Students will be able to learn and understand all the genres of literature. They will be able to develop their critical thinking and enhance their vocabulary and develop their communication skills. They will be able to analyze any poetry or prose critically.
- **PSO(3)-** The students will develop their knowledge regarding the Prose and Poetry work of Victorian Era and 20th century and also they will be able to develop their language and translation skills.
- **PSO (4)**- The students will be able to understand all the aspects and theories Criticism and Indian Literature in English Language.

PO and PSOs of MA Hindi:

PO1	छात्राओं में अनुसंधानात्मक तथा विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण की क्षमता का विकास करना |
PO2	छात्राओं में नेतृत्व शक्ति के विकास के साथ चिंतन एवं समालोचन शक्ति की क्षमता को विकसित करना |
PO3	छात्राओं को विविध कलाओं और उसके रूपों के आने से संस्कृति तथा परम्पराओं से परिचित कराना
PO4	छात्राओं में वक्तृत्व कौशल का विकास करना ।
PO5	पत्रकारिता प्रशिक्षण के माध्यम से छात्राओं के लिए रोजगार की उपलब्धियों का निर्माण करना।
PSO1	भाषा एवं साहित्य के अध्ययन द्वारा छात्राओं में सद्प्रवृत्तियों एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना।
PSO2	साहित्य के अध्ययन के माध्यम से अभिनय, अनुकरण एवं संवाद शैली का विकास करना
PSO3	साहित्य के अध्ययन के माध्यम से सामाजिक एवं राष्ट्रीय जीवन के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ाना।
PSO4	साहित्य के अध्ययन के माध्यम से छालाओं में कल्पना शक्ति को विकसित करना एवं उनकी स्वतंत्र विचारधारा का विकास करना |
PSO5	छात्राओं में नेतृत्व शक्ति के विकास के साथ चिंतन एवं समालोचन शक्ति को विकसित करना।
PSO6	साहित्य के अध्ययन के माध्यम से छात्राओं में समाज तथा साहित्य के अंतसंबंधों का सकारात्मक बोध निर्मित करना।
PSO7	छात्राओं में शोध के प्रति रूचि जागृत करना |
PSO8	हिन्दी सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्य से संबंधित उपक्रमों में छात्राओं को रोजगार के योग्य बनाना।

Program Outcomes of MA Music:

- The MA Music program, which is divided into two parts and structured in 4 semesters has a strong vision and insight to inculcate knowledge and ability among the students towards skilled musicians and proficient musicologists.
- To develop a comprehensive mindset in a consistent manner which encourages a lifelong engagement with rich Indian culture and performing art.
- To lay a strong foundation for analytical and creative understandings, Research and documentation/ publications readiness and also to prepare the students for professional life in music.

PSO OF MA (Music):

PSO 1. Understand and analyze the Theoretical aspects of Hindustani classical music and assess the concepts of Indian classical music performance.

PSO 2. Apply the knowledge of various approaches for creative rendition and spontaneous improvisation during music performance.

PSO 3. Analyze, evaluate and implement the skills gained during the course (both Theoretical and Practical) towards creating music and music appreciation.

PSO 4. Assemble various designs, concepts and techniques in the field of modern research and publications in Music, Performing arts and allied arts.

PSO 5. Competent and desirable candidates entitled to possess challenges in music profession.

PSOs of MA Political Science (till 2018-19)

PSO 1. भारतीय एवं पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन के विभिन्न कालखण्डों से संबन्धित राजनीतिक विचारकों एवं दार्शनिकों के विचारों एवं उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों को छात्राएं गहनतापूर्वक जानेंगी।

PSO 2. समकालीन राजनीतिक अवधारणाओं, विचारधाराओं एवं सिद्धांतों के गहन अध्ययन से छात्राएं समकालीन राजनीतिक चुनौतियों एवं समस्याओं की प्रकृति, स्वरूप व उनके प्रभावों का अंकलन करने में सक्षम होंगी।

PSO 3. राजनीतिक समाजशास्त्र की प्रकृति, स्वरूप व विशेषताओं आदि का विशद ज्ञान प्राप्त करने से छात्राओं में अंतर्विषयक अध्ययन करने की प्रवृति का विकास होगा। छात्राएं राजनीति एवं सामाजिक व्यवस्था के नवीन निर्धारक तत्वों की खोज करने में समर्थ होंगी।

PSO4: भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, भारतीय संवैधानिक व्यवस्था, भारत में राष्ट्रीय राजनीति, राज्य-स्तरीय राजनीति एवं स्थानीय राजनीति की प्रकृति, स्वरूप व विशेषताओं आदि से छात्राएं पूर्ण रूप से

अवगत होंगी। छात्राओं में भारतीय राजनीति एवं भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में उभरती नवीन प्रवृतियों की विवेचना करने की क्षमता का विकास होगा।

PSO5: छात्राओं को तुलनात्मक राजनीति एवं तुलनतमक शासन के प्रमुख तत्वों, उपगमों आदि का गहन ज्ञान प्राप्त होगा। छात्राएं विभिन्न राजनीतिक पक्षों का तुलनात्मक आध्यान एवं आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सफल होंगी।

PSO6: वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में विभिन्न देशों के मध्य अंतर्राष्ट्रीय संबंध**,** उनके निर्धारक तत्व व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की प्रकृति व स्वरूप आदि से छात्राएं परिचित होंगी। छात्राएं अंतर्राष्ट्रीय राजनीति व अंतर्राष्ट्रीय संबंध के मध्य समानता व विभेद आदि आधारों को जानेंगी।

PSO7: छात्राएं लोकप्रशासन के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक संदर्भ में भारतीय लोकप्रशासन की प्रकृति, विशेषताओं व नवीन प्रवृत्तियों आदि को विस्तारपूर्वक जानने में सक्षम होंगी। छात्राएं लोककल्याणकारी राज्य के प्रतिरूप में लोकप्रशासन की भूमिका से अवगत होंगी।

PSO8: सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान (शोध) की भूमिका व महत्व को छात्राएं गहन रूप में जानेंगी। छात्राओं में शोध प्रवृत्ति के विकास में सहायता मिलेगी।